हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

4
मरीजों को न हो किसी तरह की असुविधा
ईमानदारी से निभाएं जिम्मेदारी: सीएमएचओ



[खरसिया| सारंगढ़| घरघोड़ा| धरमजयगढ़| पुसौर| बरमकेला| लैलूंगा| तमनार]



खबर संक्षेप

पंडाल में मारपीट का विरोध युवक की ही कर दी पिटाई

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र की जोबी चौकी अंतर्गत दुर्गा पंडाल में मारपीट का मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति को मारपीट करने से रोकने पर दो ग्रामीणों के साथ गाली-गलौज और हाथापाई की गई है। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जोबी निवासी पंकज राठिया ने बताया कि 20 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे गांव के दुर्गा पंडाल मंच के पास संतन राठिया एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर रहा था। इस दौरान पंकज राठिया और छेदु राम राठिया ने उसे रोकने की कोशिश की। इससे नाराज होकर संतन राठिया ने दोनों के साथ अश्लील गाली-गलौज और हाथापाई की। इस दौरान छेदु राम राठिया के कपड़े भी फाड़ दिए गए। शिकायत में आरोपी पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के आधार पर जोबी चौकी पुलिस ने आरोपी संतन राठिया के खिलाफ धारा 296, 115(2) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश में युवक से मारपीट, सिर पर कड़े से वार

रायगढ़। भूपदेवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जबलपुर में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद और मारपीट के मामले में पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी है।
इस संबंध में शिवा पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह पुंजीपथरा स्थित एसएसडी कंपनी में काम करता है। बीते 19 अक्टूबर की शाम करीब 5:20 बजे शिवा के भाई संजय पटेल के साथ कुछ लोग पुरानी रंजिश को लेकर विवाद कर रहे थे। इस दौरान शिवा बीच-बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। पवन चौहान ने हाथ में पहने चूड़े से शिवा के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से चोटिल हो गया।

चक्रधर नगर दुर्गा पंडाल के बाहर भिड़े दो पक्ष

रायगढ़। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। चक्रधर नगर चौक स्थित दुर्गा पंडाल के बाहर दो पक्षों के युवक आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों ओर से लात-घूंसे चलने लगे। इस दौरान डंडे से भी मारपीट की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

टोकन डिलीट होने पर दोबारा जारी करने की छूट सिर्फ एक बार

धान खरीदी में इस बार सख्ती: कम धान लाए तो बचा रकबा हो जाएगा लैप्स, दोबारा नहीं मिलेगा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को पारदर्शी और गड़बड़ी मुक्त बनाने के लिए इस बार सरकार ने नियमों को और सख्त कर दिया है। अब किसान को टोकन में दर्ज मात्रा के अनुसार ही धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचना होगा। यदि किसान निर्धारित मात्रा से कम धान लेकर पहुंचता है, तो बची हुई मात्रा का रकबा अगले टोकन में शामिल नहीं किया जाएगा, बल्कि लैप्स हो जाएगा। यानी किसान उस शेष रकबे के लिए दोबारा टोकन नहीं कटवा सकेगा।

धान खरीदी के नए प्रावधानों को लेकर कुछ समय पहले शासन स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें खरीदी प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर चर्चा की गई। इस बार खरीदी में बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य रहेगा। किसान की पहचान अंगूठे के निशान या आइरिस स्कैन के माध्यम से सत्यापित होने के बाद ही धान खरीदा जाएगा। खरीदी की एंट्री भी रियल टाइम डेटाबेस में दर्ज होगी, जिससे बाद में रिकॉर्ड दर्ज करने की गुंजाइश नहीं रहेगी। नई व्यवस्था के तहत 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, दस एकड़ तक अधिकतम 1 टोकन और इससे अधिक रकबे वाले किसानों को 3 टोकन दिए जाएंगे। 2 टोकन की स्थिति में धान की मात्रा का विभाजन 50-50 प्रतिशत और 3 टोकन की स्थिति में 33-33-34 प्रतिशत के अनुपात में किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी किसान ने 4 एकड़ भूमि के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से 84 क्विंटल धान बेचने का टोकन कटवाया, लेकिन खरीदी के दिन वह केवल 63 क्विंटल धान लेकर पहुंचा, तो शेष 21 क्विंटल के बराबर 1 एकड़ का रकबा लैप्स हो जाएगा। इस शेष रकबे के लिए किसान को दोबारा टोकन जारी नहीं किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर इस बार कॉमन ग्रेड धान की खरीदी 2 हजार 441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान की खरीदी 2 हजार 461 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। सरकार का उद्देश्य डिजिटल सत्यापन, रियल टाइम रिकॉर्ड और रकबे की निगरानी के जरिए धान खरीदी में पारदर्शिता बढ़ाना तथा फर्जीवाड़े पर रोक लगाना है।

70:30 के अनुपात में जारी होगा टोकन

यदि किसान टोकन कटवाने के बाद निर्धारित तिथि पर धान लेकर नहीं पहुंच पाता है, तो अगले दिन उसका टोकन डिलीट हो जाएगा। ऐसी स्थिति में टोकन दोबारा जारी कराने की अनुमति केवल एक बार मिलेगी। दूसरी बार टोकन डिलीट होने पर संबंधित मात्रा का रकबा लैप्स हो जाएगा। इस बार टोकन जारी करने की व्यवस्था भी निर्धारित अनुपात में रहेगी। कुल टोकन में से 70 प्रतिशत मोबाइल एप के माध्यम से और 30 प्रतिशत टोकन समितियों के जरिए जारी किए जाएंगे।

एग्रीस्टैक से जुड़ेगा किसान का रकबा

धान की रिसाइक्लिंग और एक ही जमीन के रकबे पर दोबारा धान बेचने जैसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए एग्रीस्टैक आधारित पंजीयन व्यवस्था लागू की जा रही है। इससे किसान के अलग-अलग गांवों में दर्ज रकबे की जानकारी उपलब्ध रहेगी। जिस खसरे के रकबे पर टोकन जारी होगा, उस पर सॉफ्टवेयर के माध्यम से टिक मार्क लग जाएगा। इसके बाद उसी रकबे का दोबारा उपयोग कर धान बेचने की अनुमति नहीं होगी। पूरी व्यवस्था बकायदा राजधानी रायपुर से नियंत्रित की जाएगी।

भंडारे में प्रसाद लेने को लेकर विवाद, धारदार हथियार से दो लोगों पर हमला

रायगढ़। चक्रधरनगर थाना क्षेत्र के ग्राम लोईंग में दुर्गा दशमी के दौरान आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरण के दौरान विवाद हो गया। लाइन में लगकर प्रसाद लेने की बात कहने पर कुछ युवकों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान धारदार वस्तु से हमला किए जाने से दो लोग घायल हो गए। इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आशीष मेहर ने बताया कि ग्राम लोईंग के मैदान में दुर्गा दशमी के अवसर पर आयोजन समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया था। बड़ी संख्या में लोग प्रसाद लेने पहुंचे थे और लाइन लगाकर प्रसाद वितरण किया जा रहा था। इसी दौरान कोटरापाली निवासी वीरेंद्र और सुमित अपने साथियों के साथ बिना लाइन में लगे प्रसाद लेने घुसने लगे। आशीष ने उन्हें लाइन से आने के लिए कहा तो वे आक्रोशित हो गए और कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे।विवाद बढ़ने पर आशीष के साथी सौरभ प्रधान और समिति के अन्य लोग बीच-बचाव करने पहुंचे। इसी दौरान वीरेंद्र ने धारदार वस्तु से आशीष पर वार कर दिया, जिससे उसके दाहिने कान के नीचे चोट लग गई।

चक्रधरनगर चौक मारपीट मामले में तीन गिरफ्तार, दोनों पक्षों पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



चक्रधरनगर चौक स्थित दुर्गा पंडाल के पास दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में रायगढ़ पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 21 अक्टूबर की रात की है। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने एक.दूसरे के खिलाफ मारपीट और गाली.गलौज की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर काउंटर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं घटना के दौरान पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने की शिकायत भी सामने आई है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए विभागीय कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के अनुसार छोटे अतरमुड़ा निवासी सुशील गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि चक्रधरनगर चौक पर चंद्रशेखर सिंह राजपूत और अभिलाष गुप्ता के बीच विवाद हो रहा था। बीच.बचाव करने के दौरान चंद्रशेखर ने हाथ में पहने कड़े से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे उन्हें चोट आई। वहीं दूसरे पक्ष के चंद्रशेखर सिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि शराब भट्ठी के पास आहता में हुए विवाद के बाद चक्रधरनगर चौक पर अभिलाष गुप्ता और उसके साथियों ने उनके साथ.साथ उनके चाचा श्याम सिंह राजपूत और चचेरे भाई उत्तम सिंह राजपूत से मारपीट की। दोनों पक्षों की शिकायत पर चक्रधरनगर थाने में धारा 296, 351,3, 115,2 और 3,5 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में चंद्रशेखर सिंह राजपूत, उत्तम सिंह राजपूत और श्याम सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा तीनों के खिलाफ धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। दोनों मामलों में पुलिस की विवेचना जारी है। इस घटना में मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई के साथ ही मौके पर पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं किए जाने की शिकायत भी सामने आई है। वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जा रही है।

दशहरा मेला देखकर लौट रहे स्कूटी सवारों को बाइक ने मारी टक्कर

दो सड़क हादसों में दो की मौत, दो युवक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए 2 सड़क हादसों ने 2 परिवारों की खुशियां छीन लीं। खरसिया में दशहरा मेला देखकर लौट रहे 3 युवकों की स्कूटी को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 1 युवक की मौत हो गई, जबकि उसके 2 साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, छाल क्षेत्र में बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही जान चली गई। दोनों मामलों में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना खरसिया थाना क्षेत्र के छोटे मुड़पार मेन रोड की है। सक्ती जिले के टिकरापारा फगुरम स्थित जवाहर चौक निवासी 24 वर्षीय पियुष चौहान अपने दोस्तों देवेंद्र सहिस और आकाश महंत के साथ स्कूटी से खरसिया में दशहरा मेला देखने गया था। रात में तीनों घर लौट रहे थे।

इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पियुष के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, देवेंद्र के सिर और हाथ तथा आकाश की आंख और पैर में गंभीर चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा। इस मामले में मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सड़क पर खड़े ट्रेलर से टकराई बाइक दो युवकों की मौके पर मौत, दो गंभीर

रायगढ़। छाल थाना क्षेत्र में देर रात सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि बाइक सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर छाल में दशहरा मेला देखने जा रहे थे। इसी दौरान अस्पताल के आगे पुलिया के पास सड़क पर खड़े ट्रेलर से उनकी बाइक पीछे से टकरा गई।मृतकों की पहचान कृष्णा राठिया और जितेन्द्र राठिया के रूप में हुई है।

वहीं, हादसे में कुंदन राठिया और धर्मेन्द्र राठिया घायल हुए हैं। दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छाल में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया। मृतक कृष्णा राठिया के पिता नरसिंह राठिया निवासी ग्राम बेहरामार ने अपनी शिकायत में बताया कि 20 अक्टूबर को उनका बेटा कृष्णा अपने साथियों कुंदन राठिया, धर्मेन्द्र राठिया और जितेन्द्र राठिया के साथ बाइक क्रमांक सीजी 10 एएक्स 5710 से छाल दशहरा मेला देखने जा रहा था। देर रात करीब 1:30 बजे छाल अस्पताल के आगे पुलिया के पास उनकी बाइक सड़क पर खड़े ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीजे 8526 के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी गंभीर थी कि कृष्णा और जितेन्द्र के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आईं और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कुंदन और धर्मेन्द्र घायल हो गए। नरसिंह राठिया ने ट्रेलर चालक पर बिना किसी संकेतक के मुख्य सड़क पर खतरनाक स्थिति में वाहन खड़ा करने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

महंगाई भत्ता, एरियर्स के लिए पेंशनर्स ने किया प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



दीपावली से पहले महंगाई भत्ता और लंबित एरियर्स की मांग को लेकर रायगढ़ में पेंशनर्स और शासकीय कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट गेट पर नारेबाजी कर अपनी मांगें रखीं।

प्रदर्शन के बाद रैली निकालकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम डिप्टी कलेक्टर शिल्पा भगत को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि प्रदेश के पेंशनर्स और कर्मचारियों को जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का एरियर्स सहित भुगतान दीपावली से पहले किया जाए। उन्होंने इसे मोदी की गारंटी लागू करने की मांग से भी जोड़ा। ज्ञापन में पेंशनर्स और कर्मचारियों ने छह प्रमुख मांगें रखीं। जानकारी के अनुसार जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का एरियर्स सहित भुगतान, पेंशनर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, आंध्र प्रदेश के पेंशनर्स की तर्ज पर 70 वर्ष की आयु पर पेंशन में 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत और 80 वर्ष पर 20 प्रतिशत वृद्धि करना, पेंशनर्स कल्याण परिषद का पुनर्गठन कर हर तीन महीने में शासन स्तर पर बैठक आयोजित करनाए मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में पेंशनर्स को शामिल करना, उच्च न्यायालय के निर्णय का पालन करते हुए पेंशनर्स के 86 माह के लंबित महंगाई भत्ते के एरियर्स का भुगतान करना आदि मांग की जा रही है। प्रदर्शन का नेतृत्व छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शेख कलीमुल्लाह और छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष संजीव सेठी ने किया। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष विष्णु यादव, उपाध्यक्ष रवि गुप्ता, सुदर्शन उरांव, एसएल भगत, निराकार चौहान, हिलेरियुस लकड़ा, मोहम्मद लतीफ, टिल्लूराम पटेल, मदन सिंह सिदार, नंदलाल डनसेना सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स और कर्मचारी मौजूद रहे।

रायकेरा के पास नया रामपुर में पेड़ों की कटाई व समतलीकरण का मामला

घरघोड़ा में वनभूमि पर अतिक्रमण, 3 हेक्टेयर जमीन पर बस गए 35 से अधिक परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़



घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के रायकेरा गांव के समीप नया रामपुर में वन विभाग की करीब 3 हेक्टेयर जमीन पर अतिक्रमण कर पूरी बस्ती बसा दी गई है। यहां 30 से अधिक घर बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि एनटीपीसी तलाईपल्ली के विस्थापित ग्रामीणों ने इस स्थान पर धीरे.धीरे बसाहट शुरू कीए जो समय के साथ बड़े क्षेत्र में फैल गई। हैरानी की बात यह है कि वनभूमि पर अतिक्रमण बढ़ने के साथ ही यहां सोलर लाइटए पानी समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी विस्तार हो गया। अब मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की है।

सूत्रों के अनुसार नया रामपुर में शुरुआत में कुछ ग्रामीणों ने झोपड़ीनुमा मकान बनाकर रहना शुरू किया था। इसके बाद धीरे.धीरे अन्य लोग भी वहां बसने लगे और देखते ही देखते बड़ी बस्ती तैयार हो गई। बताया जा रहा है कि लंबे समय से यहां अतिक्रमण का सिलसिला जारी था। जब तक वन विभाग को इसकी जानकारी मिलीए तब तक बड़ी संख्या में मकान बन चुके थे। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि वनभूमि पर लगातार निर्माण होता रहा, लेकिन इसकी जानकारी संबंधित विभाग को समय रहते क्यों नहीं मिल सकी। वनभूमि पर बसाहट के लिए बड़ी मात्रा में पेड़ों की कटाई भी की गई है। इसके अलावा पठारनुमा वन भूमि को फ्लाईऐश से पाटकर समतल किया जा रहा था, ताकि जमीन का उपयोग निर्माण और अन्य गतिविधियों के लिए किया जा सके। इस प्रक्रिया में वन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। सूत्रों के मुताबिक, अतिक्रमण के दौरान वन विभाग के मुनारों को भी क्षति पहुंचाई गई है। बता दें कि मुनारे वनभूमि की सीमा चिह्नित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उन्हें नुकसान पहुंचने से जमीन की सीमाओं की निगरानी और संरक्षण को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं। अतिक्रमण की सूचना मिलने के बाद वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और कार्रवाई करते हुए वहां काम में लगे वाहनों को अपने कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि मौके पर करीब आधा दर्जन वाहन समतलीकरण सहित अन्य कार्यों में लगे हुए थे। विभाग की कार्रवाई के बाद इस मामले में आगे की जांच और अतिक्रमण के वास्तविक दायरे का आकलन किए जाने की जरूरत है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसारए वनभूमि पर निर्माण और जमीन को समतल करने का काम काफी समय से चल रहा था।

अतिक्रमण का दायरा बढ़ने की आशंका

वन विभाग को आशंका है कि मौके पर सामने आए अतिक्रमण का दायरा और अधिक हो सकता है। फिलहाल करीब 3 हेक्टेयर जमीन पर कब्जे की जानकारी सामने आई हैए लेकिन पूरे क्षेत्र का सीमांकन और जांच होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। यह भी जांच का विषय है कि वनभूमि पर कितने पेड़ काटे गएए मुनारों को कितना नुकसान पहुंचा और फ्लाईऐश का उपयोग किन परिस्थितियों में किया गया।

निगरानी व्यवस्था की बड़ी चूक

सवाल तो यह भी खड़े होना लाजमी है कि जब यहां लगातार अतिक्रमण हो रहा था तब विभाग ने शुरुवात में ही अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की। जबकि वनभूमि की नियमित निगरानी और समय पर कार्रवाई की जिम्मेदारी वन विभाग की है। इस मामले में निगरानी व्यवस्था की चूक स्पष्ट दिखाई देती है। ऐसे में नया रामपुर में वनभूमि पर अतिक्रमण का मामला वन विभाग की कार्यशैली और निगरानी व्यवस्था की पोल खोलता है। करीब 3 हेक्टेयर जमीन पर 35 से अधिक घर बन गएए पेड़ों की कटाई हुई और फ्लाई ऐश से जमीन का समतलीकरण भी किया जाता रहा, लेकिन विभागीय कार्रवाई में देरी सामने आई है।

खबर संक्षेप

दिव्यांग छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 तक

जशपुरनगर। समाज कल्याण विभाग जशपुर के उपसंचालक धर्मेन्द्र कुमार साहू ने जानकारी दी है कि, जिले में कक्षा पहली से 12वीं तक अध्ययनरत दिव्यांग छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति के लिए 30 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले एनएसपी पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद 'एप्लाई फॉर स्कॉलरशिप' विकल्प के माध्यम से लॉगिन कर आधार सत्यापन करना होगा तथा आवश्यक जानकारी भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। आवेदन के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, नवीनतम आय प्रमाण पत्र एवं पिछले शैक्षणिक वर्ष की अंकसूची अनिवार्य है। विद्यालय स्तर पर होगा आवेदनों का सत्यापन- ऑनलाइन आवेदन पूर्ण होने के बाद आवेदन संबंधित विद्यालय की संस्था आईडी में प्राप्त होगा।

सीएचसी के बाहर लगा था ताला, तड़पती रही प्रसूता

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। राजपुर के पीएचसी रेवतपुर में चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी ताला लगाकर नदारत रहे जबकि प्रसूता अस्पताल के बाहर प्रसव पीड़ा से तड़पती रही। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामले में सीएमएचओ ने जांच के निर्देश दी है। बताया जा रहा है कि 20 अक्टूबर को परिजन प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को लेकर राजपुर सीएचसी के अंतर्गत आने वाले रेवतपुर पीएचसी लेकर पहुंचे थे लेकिन दिन के समय ही पीएचसी में ताला लगा हुआ था। ड्यूटी के टाइम पर अस्पताल एक चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी नदारत थे। ऐसे में आक्रोशित परिजन ने घटना का वीडियो बानाकर वायरल कर दिया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सीएमएचओ डॉ. विजय सिंह ने बीएमओ राजपुर को मामले की जांच निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि सूचना के बाद मामले की जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक के घर में चोरी नगद सहित गहने पार

बिश्रामपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम सतपता चन्द्रिकापारा निवासी शिक्षक देवचरण राम के सुने घर में दबिश देकर अज्ञात चोरों ने करीब 23 हजार रुपये नगदी रकम समेत सोने चांदी के जेवरात पार कर दिया,कुल चोरी हुए सामान की कीमत ढाई लाख से तीन लाख के बीच आंकी गई है। बताया गया कि शिक्षक देवचरण राम सूरजपुर जिला मुख्यालय के स्कूल में पदस्थ हैं,वे सपरिवार सतपता में रहते हैं,बीती रात वे सपरिवार विजयादशमी मेला घूमने गए थे,इस दौरान उन्होंने घर में ताला लगा दिया था,प्राप्त जानकारी अनुसार अज्ञात चोर इस दौरान रात्रि आठ बजे से दस बजे के बीच घर को सुना पाकर प्रवेश द्वार का ताला तोड़ते हुए भीतर घुसे एवं दो आलमीरा के लॉक तोड़कर उसमें रखे 23 हजार रुपये नगदी रकम सहित जेवरात झुमका,अंगूठी,चैन, पायल सहित अन्य समान अपने साथ ले भागे,जब शिक्षक मेला से वापस लौटे तो पाया कि उनके घर का दरवाजा टूटा हूआ है और भीतर पूरा समान बिखरा पड़ा है,जब उन्होंने पूरे सामानों का मिलान किया और थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी,घटना में स्थानीय बदमाश युवकों की संलिप्तता होने की पुलिस जांच कर रही है।

पीएम आवास योजना से साकार हुआ पक्के मकान का सपना

जशपुरनगर। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पंड्रापाठ निवासी पहारु राम वर्षों से कच्चे मकान में रहकर जीवनयापन कर रहे थे। ऐसे में बरसात में छत से पानी टपकना, सर्दियों में ठंड से बचाव की समस्या और गर्मियों में तेज तपन सहना उनके परिवार की मजबूरी थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए एक सपना बनकर रह गया था।

परिवार की तत्परता से पाया गया आग पर काबू, कोई जनहानि नहीं

कबाड़ से भरे पिकअप में लगी आग, हजारों का माल खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर



जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पोखरा टोली में बुधवार रात कबाड़ से भरी खड़ी एक पिकअप में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में लपटें वाहन की ड्राइवर सीट तक पहुंच गईं। गनीमत रही कि समय रहते आग का पता चल गया और परिवार के लोगों ने तत्परता से आग पर काबू पा लिया। यदि आग बुझाने में थोड़ी और देर हो जाती, तो पूरा पिकअप वाहन जलकर खाक हो सकता था। घटना में कबाड़ के सामान के साथ वाहन को भी नुकसान पहुंचा है।

वाहन में आग कैसे लगी, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नारायणपुर थाना अंतर्गत पोखरा टोली निवासी सरफिऊद्दीन आजाद लंबे समय से कबाड़ का व्यवसाय करते हैं। वह रोजाना की तरह कबाड़ का सामान खरीदने और बेचने का काम करते हैं। बुधवार रात लगभग 8 बजे उन्होंने अम्बिकापुर में बेचने के लिए कार्टून और अन्य कबाड़ का सामान अमरदीप एक्का के पिकअप क्रमांक यूपी 64 बीटी 2032 में लोड कराया था। सामान लोड करने के बाद पिकअप को अपने घर के सामने खड़ा कर दिया गया था, ताकि गुरुवार सुबह जल्दी अम्बिकापुर के लिए रवाना होकर कबाड़ का सामान बेचा जा सके।

खड़ी पिकअप में आग लगने से उठे सवाल

कबाड़ व्यवसायी सरफिऊद्दीन आजाद के अनुसार, उन्होंने रात करीब 8 बजे पिकअप में सामान लोड कराया था। इसके बाद खाना खाकर सोने चले गए थे। रात करीब साढ़े 10 बजे एक व्यक्ति ने उन्हें वाहन में आग लगने की जानकारी दी, जिसके बाद वे तत्काल बाहर निकले और आग बुझाने में जुट गए। आजाद का कहना है कि वाहन बंद हालत में घर के सामने खड़ा था। ऐसे में उनके मन में आग लगने के कारणों को लेकर संदेह है। उन्हें आशंका है कि किसी असामाजिक तत्व ने जानबूझकर वाहन में आग लगाई हो सकती है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर आग लगाए जाने की आशंका की जांच पुलिस की पड़ताल के बाद ही हो सकेगी।

कबाड़ के साथ वाहन को भी नुकसान

इस घटना में पिकअप में लोड कार्टून और अन्य कबाड़ के सामान को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा आग की लपटें ड्राइवर सीट तक पहुंचने से वाहन भी प्रभावित हुआ है। कबाड़ व्यवसायी के अनुसार, आग लगने से हजारों रुपये के सामान का नुकसान हुआ है। वाहन को हुए नुकसान का आकलन अलग से किया जाना है। रात के समय अचानक हुई इस घटना से व्यवसायी को आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है।

जांच के बाद सामने आएगा सच

घटना के बाद कबाड़ व्यवसायी सरफिऊद्दीन आजाद पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की तैयारी कर रहे थे। अब यह देखना होगा कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले को किस रूप में लेती है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए क्या कदम उठाती है।

परिवार की तत्परता से पाया गया आग पर काबू

परिवार के लोगों की तत्परता और समय रहते किए गए प्रयासों से आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, तब तक आग की लपटें पिकअप की ड्राइवर सीट तक पहुंच चुकी थीं। यदि आग का पता कुछ देर बाद चलता या उसे बुझाने में देरी होती, तो आग पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले सकती थी। इससे पिकअप के पूरी तरह जलने की आशंका थी। समय रहते आग बुझा दिए जाने से एक बड़ा नुकसान टल गया, लेकिन घटना ने रात के समय खड़े वाहन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

रस्ते से गुजरते राहगीर ने देखी गाड़ी में लगी आग

रात करीब साढ़े 10 बजे तक सब कुछ सामान्य था। इसी दौरान रास्ते से गुजर रहे एक व्यक्ति की नजर खड़ी पिकअप में लगी आग पर पड़ी। उसने तत्काल वाहन मालिक और कबाड़ व्यवसायी सरफिऊद्दीन आजाद को जगाकर घटना की जानकारी दी। आग लगने की खबर मिलते ही आजाद और उनके परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। उस समय आग वाहन में रखे कार्टून और अन्य कबाड़ के सामान को अपनी चपेट में ले रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिवार के लोगों ने आनन-फानन में वाहन से कार्टून और अन्य सामान बाहर निकालना शुरू किया तथा आग बुझाने का प्रयास किया।

बनगांव में कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ, तीन दशकों से कायम परंपरा



हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

कोतबा क्षेत्र के बनगांव में तीन दशकों से निरंतर आयोजित हो रही पारंपरिक कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत जशपुर के अध्यक्ष सालिक साय के मुख्य आतिथ्य में हुआ। पिछले 30 वर्षों से चली आ रही यह खेल परंपरा ग्रामीण अंचल में खेलों के प्रति उत्साह, युवाओं की सक्रिय भागीदारी और स्थानीय खेल संस्कृति की मजबूती का प्रतीक है। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि सालिक साय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

> ■ कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ग्रामीण जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा : सालिक

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं- सालिक

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के समग्र विकास के साथ खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ग्रामीण जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, शारीरिक क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

नगर में 26 को मनाया जाएगा करम परब, तैयारियां पूरी



जशपुरनगर। उरांव आदिवासी समाज की पारंपरिक संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़े करम परब के आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार 26 अक्टूबर को जशपुर नगर के दीपु बगीचा स्थित राजी पड़हा मुख्यालय में यह पर्व मनाया जाएगा।

उरांव आदिवासी युवा संगठन ने समाज के लोगों को करम परब की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन में शामिल होने का आह्वान किया है। समाज की रूढ़ि- परंपराओं, पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था और राजी पड़हा व्यवस्था 'धुमकुड़िया' के तहत आयोजित इस पर्व का उद्देश्य आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित एवं संवर्धित करना है। आयोजन में समाज के लोग एकजुट होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व की खुशियां मनाएंगे।

नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका

उरांव आदिवासी युवा संगठन की ओर से कहा गया कि ऐसे आयोजन समाज की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। करम परब के माध्यम से पूर्वजों की परंपराओं, सामाजिक एकता और पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के महत्व का संदेश भी दिया जाएगा। समाज के लोगों से आयोजन में सहभागिता निभाने की अपील की गई है, ताकि सामूहिक रूप से अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया जा सके।

जशपुर में आकार ले रहा 3 हजार 147 करोड़ का सड़क कॉरिडोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना अब साकार रूप लेने लगा है। इस सड़क का निर्माण पूरा हो जाने से जशपुर से प्रदेश की राजधानी रायपुर का सफर महज 6 घंटे में सिमट जाएगा। इससे जिले का सड़क मार्ग से संपर्क रायपुर के साथ न्यायधानी बिलासपुर, उर्जाधानी कोरबा के साथ पड़ोसी राज्य झारखंड से भी बेहतर हो सकेगा।

> ■ फोरलेन सड़क से छह घंटे में पूरा होगा जिले से रायपुर का सफर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों से केंद्र सरकार की यह महत्वकांक्षी परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। निर्माणाधीन कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 707 किलोमीटर बताई गई है। इसमें लगभग 104 किलोमीटर सड़क जशपुर जिले से हो कर गुजरेगी। इसके निर्माण से रायपुर से धनबाद के बीच सड़क संपर्क बेहतर होगा। साथ ही पत्थलगांव, जशपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की संभावना है।



तीन साल में जिले ने छुई विकास की नई ऊंचाई

उल्लेखनिय है कि बुनियादी सुविधा के विकास में बीते लगभग तीन साल में जशपुर जिले ने विकास की नई ऊंचाईयों का छुआ है। भारतमाला परियोजना के साथ ही जिले में कटनी गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य भी द्रुतगति से शुरू हो चुका है। केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयास से लोहरदग्गा से धरमजयगढ़ तक रेल लाईन निर्माण को स्वीकृति देते हुए,इसे केंद्रीय गजट में प्रकाशित कर दिया है। इस रेल लाईन की मांग जिलेवासी दशकों से कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,स्टेट हाईवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

राजधानी रायपुर पहुंचना होगा आसान

वर्तमान में जशपुर जिले से राजधानी रायपुर पहुंचने में यात्रियों को लंबा समय लग रहा है। इकोनॉमिक कॉरिडोर से संपर्क और मार्ग की परिस्थितियों के आधार पर यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। उपलब्ध परियोजना संबंधी जानकारी में यात्रा अवधि को लगभग 14 घंटे से घटाकर 8 से 9 घंटे करने का लक्ष्य बताया गया है। वहीं, जशपुर से रायपुर की यात्रा महज 5 से 6 घंटे में पूरी होने की संभावना को लेकर भी उम्मीदें जताई जा रही हैं।

व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

इस कॉरिडोर का लाभ केवल यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा। बेहतर सड़क नेटवर्क से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने, व्यापारियों को माल परिवहन और आम नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य जरूरी सेवाओं के लिए बड़े शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिल सकती है। पत्थलगांव और जशपुर क्षेत्र के लिए यह संपर्क औद्योगिक, व्यावसायिक और पर्यटन गतिविधियों के विस्तार में भी सहायक हो सकता है।

वोट बचाओ देश बचाओ के तहत बरमकेला में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

बरमकेला। निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने बरमकेला में वोट बचाओ देश बचाओ के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन किया। सारंगढ़ विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े विषयों को उठाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर अपना विरोध दर्ज कराते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में मताधिकार के महत्व को रेखांकित किया।

बरमकेला में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास से प्रदर्शन शुरु हुआ। जहां कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता एकत्र हुए। यहां कार्यकर्ताओं ने वोट बचाओ देश बचाओ और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो जैसे नारे लगाकर अपनी मांगों को सामने रखा। इसके बाद



विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला। मार्च में शामिल कांग्रेसियों ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का यह पैदल मार्च डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समीप से शुरू होकर तहसील कार्यालय पहुंचा। मार्च के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मताधिकार को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। तहसील कार्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की और बरमकेला तहसील ऑफिस के बाहर उनका पुतला दहन कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। पार्टी का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक का मत महत्वपूर्ण है और मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। कांग्रेस ने वोट बचाओ देश बचाओ के नारे के माध्यम से मताधिकार और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता के मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाने का प्रयास किया। विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी के माध्यम से अपनी असहमति व्यक्त करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवालों पर गंभीरता से विचार किए जाने की मांग की। कांग्रेस ने इस विरोध प्रदर्शन को जनता के मताधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े मुद्दों को उठाने का माध्यम बताया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए और पैदल मार्च के जरिए विरोध दर्ज कराया।

ज्ञानेश कुमार का किया पुतला दहन

तहसील कार्यालय पहुंचने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील ऑफिस के बाहर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की। पुतला दहन प्रदर्शन का प्रमुख हिस्सा रहा जिसके माध्यम से कांग्रेस ने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर अपना विरोध जाहिर किया। प्रतिमा स्थल से तहसील कार्यालय तक निकाले गए पैदल मार्च और पुतला दहन के माध्यम से पार्टी ने अपने विरोध को सार्वजनिक रूप से दर्ज कराया।

समाजसेवी अमर को सूर्यमंडल संगठन ने किया सम्मानित

जशपुरनगर। मानवता, सेवा और समर्पण की मिसाल कायम करते हुए जशपुर नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई और समाजसेवी अमर चौधरी को उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। 100 बार से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान करने के उनके महाभियान को देखते हुए शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था सूर्यमंडल संगठन की ओर से एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानित किया गया। एक व्यक्ति, 100 बार रक्तदान, अनगिनत जिंदगियां प्राप्त जानकारी के अनुसार अमर चौधरी पिछले कई वर्षों से लगातार रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय हैं। बिना किसी स्वार्थ के, जरूरतमंद मरीजों, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और सड़क हादसों में घायल लोगों के लिए वे हमेशा सबसे आगे खड़े रहे हैं। 100 बार से अधिक रक्तदान करना अपने आप में एक रिकॉर्ड है, क्योंकि एक स्वस्थ व्यक्ति एक साल में अधिकतम 4 बार ही रक्तदान कर सकता है। इसका मतलब है कि उन्होंने लगभग 25 वर्षों तक इस सेवा को निरंतर निभाया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर खरसिया कांग्रेस का प्रदर्शन



खरसिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में खरसिया कांग्रेस परिवार ने भी चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, लोकतंत्र की गरिमा और आम मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम खरसिया के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले लोकसभा एवं विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठे हैं। विशेष रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण तथा फॉर्म.6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई। पार्टी का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि किसी भी मतदाता के अधिकारों का हनन न हो और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास बना रहे। खरसिया मदनपुर कांग्रेस कार्यालय से तहसील कार्यालय तक निकला पैदल मार्च प्रदर्शन के दौरान खरसिया के मदनपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेता हाथों में कांग्रेस के झंडे और विभिन्न नारों की तख्तियां लेकर पैदल मार्च करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे।

सुरजीत को 2 स्वर्ण, सुमित को स्वर्ण व रजत पदक, बढ़ाया जिले का मान

सेंट जेवियर्स के स्केटर्स ने जीते 8 पदक, 3 राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

सेंट जेवियर्स अंग्रेजी माध्यम स्कूल शांति भवन जशपुर के स्केटर्स ने 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 पदक अपने नाम किए।

रायपुर में 15 से 18 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग की टीम से शामिल विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि के साथ ही विद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है।





तीन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सुरजीत केरकेट्टा, सुमित कुजूर और दर्शिल एक्का का चयन आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

प्राचार्य ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य अजय केरकेट्टा, समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने खुशी जाहिर की। विद्यालय में खिलाड़ियों को बधाई देते हुए सम्मानित किया गया। प्राचार्य अजय केरकेट्टा ने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता, आत्मविश्वास और निरंतर कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर मेहनत करने और खेल सहित हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सुरजीत ने जीते दो स्वर्ण पदक

अंडर-19 बालक वर्ग में कक्षा 12वीं के सुरजीत केरकेट्टा ने 1000 मीटर रिंग रेस और 3000 मीटर रोड रेस में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। इसी वर्ग में कक्षा 10वीं के सुमित कुजूर ने 500 मीटर रिंग रेस में स्वर्ण और 1000 मीटर रेस में रजत पदक जीता। अंडर-17 बालक वर्ग में कक्षा 10वीं के दर्शिल एक्का ने 1000 मीटर रिंग रेस में रजत और 500 मीटर रेस में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, इसी वर्ग में आरव कुजूर ने 500 मीटर रिंग रेस में रजत पदक और गज्जूस केरकेट्टा ने 1000 मीटर रेस में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की पदक तालिका में योगदान दिया।

छोटाबनाई में पशु चिकित्सा शिविर में मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में पशुधन विकास विभाग जशपुर द्वारा पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्य में पशु सखियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके सक्रिय सहयोग से कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन कर विभागीय सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी कार्य में विकासखंड जशपुर के ग्राम छोटाबनाई में आयोजित बहुउद्देशीय पशु चिकित्सा शिविर में पशु सखी बिमला बाई का विशेष योगदान रहा। शिविर में बकरियों को पीपीआर बीमारी से बचाव के लिए कुल 438 बकरियों का टीकाकरण किया गया। इसके अलावा 7 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, 95 पशुओं को कृमिनाशक दवा पान, 45 पशुओं के लिए निशुल्क औषधि वितरण तथा 4 पशुओं का उपचार किया गया। शिविर से क्षेत्र के पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सेवाओं का लाभ मिला। पशुपालकों को जागरूक करने में निभा रहीं महत्वपूर्ण भूमिका पशु सखी बिमला बाई ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं की देखभाल, समय पर टीकाकरण और पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही हैं।



तांडव कर यश ने दिखाई लंकेश की पहली झलक

मुंबई। नितेश तिवारी की 'रामायण' में अभिनेता यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म निर्माताओं ने उनके किरदार की नई झलक फैंस को दिखाई है। इस वीडियो को हिंदी में 'राइज ऑफ असुर' शीर्षक दिया गया है। इसमें यश बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिख रहे हैं। इस गाने का संगीत ए आर रहमान ने दिया है, डॉ. कुमार विश्वास ने गीत लिखे हैं और विशाल ददलानी ने हिंदी संस्करण को अपनी आवाज दी है। इस वीडियो की शुरुआत रावण द्वारा अपनी हथेली को कटार से काटने और फिर माथे पर त्रिपुंड तिलक लगाने से होती है, क्योंकि वह अनुष्ठान के लिए तैयार हो रहा होता है।

लाइफ Style

नयनतारा

मूकुथी अम्मन 2 में देवी के रूप में आएंगी नजर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

नयनतारा 'मूकुथी अम्मन 2' में एक बार फिर देवी के रूप में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह पौराणिक खलनायकों से मुकाबला करते दिखाई देंगी। सुंदर सी द्वारा निर्देशित यह सीक्वल 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

21 अक्टूबर को मेकर्स ने 'मूकुथी अम्मन 2' का ट्रेलर शेयर कर दिया है, जिसमें नयनतारा एक पुलिस अधिकारी और एक देवी के दोहरे किरदार में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में वह 2020 की फिल्म वाले देवी के अपने किरदार को दोहरा रही हैं। साथ ही एक ऐसी पुलिस अधिकारी का रोल भी निभा रही हैं, जिसे मासूम लोगों को नुकसान पहुंचाने वाले पौराणिक खलनायकों का सामना करना पड़ता है। ट्रेलर में रेजिना कैसेंड्रा और दुनिया विजय पौराणिक खलनायकों के रूप में नजर आते हैं, जो पृथ्वी को नष्ट करने और अपनी ताकत बढ़ाने के लिए धरती पर आते हैं। जैसे-जैसे खतरा बढ़ता है, बच्चों और अन्य मासूम लोगों की जान खतरे में पड़ जाती है। नयनतारा का पुलिस अधिकारी वाला किरदार एक ऐसी डरपोक महिला का है, जो बहुत ही साधारण चीजों से भी घबरा जाती है। यहां तक कि अकेले सोने से भी। हालांकि, जब 'मूकुथी अम्मन' का आह्वान किया जाता है तो वह राक्षसों से मुकाबला करती हैं। ट्रेलर में नयनतारा के इन दोनों रूपों एक डरी हुई पुलिस अधिकारी और एक देवी को बखूबी दिखाया गया है। इसके विजुअल्स में सुंदर सी. की फिल्मों से जुड़ी भव्यता और बड़े पैमाने की झलक भी देखने को मिलती है। सुंदर सी. द्वारा निर्देशित यह सीक्वल 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।



हॉलीवुड मसाला



गोल्डन ग्लोब्स के नियमों से

हारा माइकल

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'माइकल' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फैंस की नजरें फिल्म की सफलता का बाद गोल्डन ग्लोब्स पर टिकी थीं। मगर इस बार उन्हें निराशा का समना करना पड़ सकता है। पॉप म्यूजिक के महारथी दिवंगत माइकल जैक्शन की फिल्म का म्यूजिक इस अवॉर्ड का हिस्सा नहीं होगा। गोल्डन ग्लोब्स पुरस्कार समिति ने लायंसगेट की ब्लॉकबस्टर माइकल जैक्सन बायोपिक को 2027 के समारोह में संगीत या कॉमेडी श्रेणी में शामिल करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।



प्रियंका और निक ने बेटी के साथ किया कन्या पूजन

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने बेटी मालती मैरी के साथ नवमी और दशहरे पर घर में कन्या पूजन किया। प्रियंका ने पूजा की तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें मालती देसी अंदाज में नजर आईं। विदेश में रहने के बावजूद प्रियंका अपनी बेटी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ रही हैं। दोनों ने मालती के पैर धोकर पूजा की रस्म पूरी की। इस खास मौके पर परिवार के बीच भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के प्रति जुड़ाव देखने को मिला। प्रियंका ने इस खास पल की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिनमें वह निक और मालती के साथ पूजा करती नजर आईं। तस्वीरें साझा करते हुए प्रियंका ने लिखा, 'मां दुर्गा की शक्ति, हमारी प्रार्थनाओं की पवित्रता और दशहरे की भावना आज, कल और हमेशा हमारे साथ बनी रहे।'



आर्थिक तंगी की फर्जी खबरों पर फूटा गुस्सा

नई दिल्ली। कुछ समय पहले इस तरह की खबर आई थी कि अभिनेत्री अनीता कंवल आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं और उन्होंने पैसों की मदद मांगी है। अब एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन करते हुए इन्हें अफवाह बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छह महीने पहले दिए गए एक इंटरव्यू में उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया था। अभिनेत्री ने कहा कि इन खबरों की वजह से उन्हें काफी परेशानी हुई है और उनकी नींद तक उड़ गई है। अनीता ने एक वीडियो शेयर करके अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सुबह के 3.45 बज रहे हैं और वो सो नहीं पा रही हैं। वह इस बात से परेशान थीं कि कुछ न्यूज चैनलों ने उनकी आर्थिक स्थिति को किस तरह पेश किया है। बता दें कि अनीता कंवल ने कभी हां कभी ना में शाह रुख खान और गांगाजल में अजय देवगन जैसे एक्टर्स के साथ काम किया है।



पुलिस कंपनी में दिखेगी अंडरवर्ल्ड की कहानी

मुंबई। बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड और अपराध की दुनिया पर कई फिल्में बना चुके डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा एक बार फिर इसी विषय पर फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी अपकमिंग क्राइम ड्रामा फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट सामने आ गई है। फिल्म में एक्टर हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सना शेख और परेश रावल समेत कई कलाकार नजर आएंगे। फिल्म 'पुलिस कंपनी' में अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के चर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी दया नायक की भूमिका निभाएंगे। 'पुलिस कंपनी' की कहानी सच्ची घटनाओं और असल जिंदगी के किरदारों से प्रेरित है। प्रेस रिलीज के मुताबिक, फिल्म में उन परिस्थितियों को दिखाया जाएगा, जिनके चलते करीब 300 गैंगस्टर्स मारे गए थे।

टीवी मसाला



केबीसी में प्रतियोगी की कहानी सुनकर भावुक हुए बिग बी

नई दिल्ली। टीवी का फेमस क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का 18वां सीजन चल रहा है, जिसमें आए दिन प्रतियोगी अपनी दिलचस्प कहानियों, संघर्ष की दास्तां शो के होस्ट अमिताभ बच्चन के सामने सुनाते हुए नजर आते हैं। अब इसके हालिया एपिसोड में एक ऐसा ही किस्सा देखने को मिला। एक कंटेस्टेंट ने अपने जीवन के सबसे कठिन दौर और संघर्ष की ऐसी कहानी बिग बी के साथ शेयर की। उसे सुनने के बाद महानायक अमिताभ बच्चन भी भावुक हो गए। कंटेस्टेंट ने अपनी गंभीर बीमारी और अपने पिता द्वारा दिए गए जीवनदान के बारे में विस्तार से बताया। शो का एक प्रोमो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कंटेस्टेंट अपनी कहानी सुनाते हुए नजर आ रहा है। शख्स ने बताया, 'मुझे जिंदगी दो बार मिली है। एक बार मेरी मम्मी ने दी और एक बार पापा ने।' फिर कंटेस्टेंट ने आगे बताया कि उन्हें खाना हजम नहीं होता था। फिर डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उनकी दोनों किडनी सिर्फ 3 प्रतिशत काम कर रही है। कंटेस्टेंट ने आगे बताया कि फिर उन्होंने तय किया कि अब किडनी ट्रांसप्लांट करवा लेना चाहिए। लाख बार मना करने के बावजूद भी उनके पिता ने कहा कि वह ही उन्हें किडनी देंगे। एक इन अचानक फिर से कंटेस्टेंट के पेट में दर्द हुआ और डॉक्टर ने बताया कि मुझे अटैक आया है। इसकी वजह से उनके बचने के चांस सिर्फ 20 प्रतिशत ही रह गए थे। इसकी वजह से जो किडनी उनके पिता ने दी थी वो भी डैमेज हो गई। कंटेस्टेंट ने लास्ट में कहा कि मेरे मम्मी पापा ने पूरी जिंदगी मेरे लिए बहुत त्याग दिए हैं। अब मैं उन्हें एक बेहतर जिंदगी देना चाहता हूं। कंटेस्टेंट की दास्तां सुनकर अमिताभ बच्चन काफी भावुक हो गए।

कपिल ने ऋषभ को बताया 'लड़कों का तमन्ना'

नई दिल्ली। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अगले एपिसोड में फिल्म 'धुरंधर' से जुड़े संगीतकार सतिंदर सरताज, जैस्मिन सैंडलस, शाश्वत सचदेव और सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा नजर आएंगे। शो के नए प्रोमो में कॉमेडी के साथ म्यूजिक का जबरदस्त संगम देखने को मिल रहा है। शो के प्रोमो में



कपिल शर्मा सभी मेहमानों का स्वागत करते नजर आ रहे हैं। कपिल ऋषभ रिखीराम शर्मा को क्लासिकल म्यूजिक, सतिंदर सरताज को सूफी संगीत, जैस्मिन सैंडलस को पॉप म्यूजिक और शाश्वत सचदेव को हर तरह के संगीत में माहिर बताते नजर आ रहे हैं। इसके बाद कपिल शाश्वत सचदेव के नेशनल अवॉर्ड जीतने और फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के बाद शो में आने पर भी मजाक करते हैं। वहीं, ऋषभ के लुक को देखकर कपिल उनकी तुलना अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से कर देते हैं। वह ऋषभ को 'लड़कों का तमन्ना भाटिया' कहते हैं।

मातृभूमि का नया गाना जय हिन्द रिलीज जोशीले अंदाज में दिखे सलमान



मुंबई। सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच इस फिल्म का नया गाना 'जय हिंद' रिलीज हुआ है। समीर अंजान की कलम से निकले इस गाने को स्टेबिन बेन ने अपनी सुरीली आवाज दी है। हिमेश रेशमिया ने अपने म्यूजिक से इसे सजाया है। इंस्टाग्राम पर इस गाने को शेयर करते हुए सलमान खान ने लिखा 'अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और देशभक्ति दिखाने के लिए 365 दिनों में से केवल 2 दिन काफी नहीं हैं। साल भर होना मंगता है दोस्त। ये रहा आपके लिए जय हिंद का लिरिकल कट। उम्मीद है आपको पसंद आएगा। अगर नहीं, तो हिमेश और स्टेबिन का इंस्टा या एक्स हैंडल तो होगा ही, है ना?' गाने में सलमान खान नजर आ रहे हैं। वह काफी जोशीले अंदाज में हैं। वह भारतीय जवान की वर्दी में हैं। गाने के विजुअल देशभक्ति का जोश जगाते हैं। गाने के बोल और संगीत भी दिल को छूने वाला है। सलमान खान अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसे सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है। इसमें चित्रांगदा सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवां' था, जिसे इस साल की शुरुआत में बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया।

गोल्डन टेंपल में अरदास करते हुए रो पड़ीं सारा, लिया वाहेगुरु का आशीर्वाद

मुंबई। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में अरदास करते समय सारा अली खान भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। इस दौरान उनके साथ आयुष्मान खुराना भी नजर आए। 'उड़ता तीर' की रिलीज से पहले सारा अली खान और आयुष्मान साथ में वाहेगुरु का आशीर्वाद लेने पहुंचे। 20 अक्टूबर को सारा अली खान और आयुष्मान खुराना अपनी आने वाली फिल्म 'उड़ता तीर' के प्रमोशन के लिए अमृतसर में थे। दोनों कलाकारों ने स्वर्ण मंदिर में श्री हरमंदिर साहिब के दर्शन भी किए। सारा और आयुष्मान ने वहां की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इस बीच, वाहेगुरु का आशीर्वाद लेते हुए दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में सारा अली खान अरदास करते समय भावुक होकर रोती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का यह इमोशनल वीडियो वायरल हो हो रहा है, जिसमें वे स्वर्ण मंदिर में आशीर्वाद लेते समय भावुक होकर रोती हुई दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस सारा ने आयुष्मान के साथ इस पवित्र स्थान की एक तस्वीर शेयर करके फैंस को अपनी यात्रा की झलक दिखाई। दोनों कलाकारों ने सफेद कपड़े पहने थे और सारा ने दुपट्टे से अपना सिर ढका हुआ था। वे हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए खड़े थे। तस्वीरों में उनका शांत पल देखने को मिला, वहीं उनकी इस यात्रा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इस क्लिप में सारा अली खान भावुक नजर आ रही हैं। दरबार साहिब में प्रार्थना करते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। 'उड़ता तीर' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसी से पहले इसकी टीम ने गोल्डन टेंपल का दौरा किया। शुरुआत में यह फिल्म 9 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई। इसके अब तक दो ट्रेलर आ चुके हैं। यह फिल्म आकाश ए. कौशिक के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है, जिसमें कई जाने-माने कलाकार एक साथ नजर आएंगे।



6 दशक से सिखाई जा रही है फिल्म की सिनेमैटोग्राफी

पहले फ्लॉप हुई फिल्म, जो बाद में बनी सिनेमा की मास्टरपीस

नई दिल्ली। एक ऐसी फिल्म जिसने एक डायरेक्टर का कॅरियर तबाह कर दिया हो, दर्शकों ने नकार दिया है, पैसे डुबा दिए हों, वो आज सिनेमा की 'मास्टरपीस' कही जाती है। उस फिल्म की बारीकियों को स्कूलों में पढ़ाया जाता है। इस आर्टिकल में बात एक ऐसी ही फिल्म की हो रही है, जो 65 सालों से कल्ट क्लासिक है। साल 1959 में एक फिल्म रिलीज हुई। फिल्म की कहानी शानदार थी, सिनेमैटोग्राफी दमदार थी, निर्देशन काबिल-ए-तारीफ और संगीत तो दिग्गज संगीतकार एसडी बर्मन ने तैयार किया था। फिर भी यह सफल नहीं हुई। जिस फिल्म की हम यहां बात कर रहे हैं, वो गुरु दत्त स्टारर 'कागज के फूल' है।



हिंदी सिनेमा की कल्ट क्लासिक फिल्म

कागज के फूल' भारत की पहली वाइडस्क्रीन फिल्म थी, जिसमें सिनेमास्कोप का इस्तेमाल किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि फिल्म गुरु दत्त की जिंदगी पर आधारित थी। वहीं, कुछ लोग मानते हैं कि फिल्म मशहूर डायरेक्टर ज्ञान मुखर्जी की जिंदगी से इंस्पायर्ड है। हालांकि, दोनों ही दावों पर सिर्फ चर्चा ही होती है, इसमें कितनी सच्चाई है? यह कहा नहीं जा सकता है।

गुरु दत्त के दिल के करीब थी फिल्म

गुरु दत्त ने ही फिल्म का निर्देशन किया था। वह बतौर निर्माता-निर्देशक सिनेमा के सबसे सफल हस्ती हुआ करते थे। 'कागज के फूल' उनके दिल के करीब थी। जब उन्होंने यह फिल्म बनाई तो पैसे खर्च करने में जरा भी नहीं सोचे। खुद लीड एक्टर थे और साथ में वहीदा रहमान , कुमारी नाज, महमूद और जॉनी वॉल्कर जैसे अभिनेता अहम भूमिकाओं में थे।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी एक अकेले, बूढ़े और शराब के आदी हो चुके निर्देशक सुरेश सिन्हा की है, जो एक खाली स्टूडियो में बैठकर अपने पुराने दिनों को याद करता है। फिल्म में गुरु दत्त की परफॉर्मेंस दमदार थी। वह निर्देशक के दर्द को बयां करने में सफल रहे। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें थीं।

फिल्म की असफलता के बाद छोड़ा निर्देशन

मगर जब फिल्म बड़े पर्दे पर आई तो यह दर्शकों को सिनेमाघरों में खींच पाने में नाकामयाब रही। कहा जाता है कि फिल्म का सैड प्लॉट, फिल्म क्रिटिक्स की आलोचना ने इस फिल्म को असफल बना दिया। फिल्म की असफलता ने गुरु दत्त को इमोशनली और फाइनेंशियली तोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने किसी फिल्म का निर्देशन नहीं किया। हालांकि, उन्होंने फिल्म का निर्माण करना जारी रखा।

स्कूलों में पढ़ाई जाती है फिल्म

वक्त के साथ-साथ गुरु दत्त की 'कागज के फूल' कल्ट क्लासिक बन गई। जिस फिल्म को 1959 में ऑडियंस नहीं मिल रही थी, उसे आज फिल्म स्कूलों में पढ़ाया जाता है। यह फिल्म हिंदी सिनेमा में टेक्निकल रिवोल्यूशन लेकर आई थी। यह अपने समय के आगे की फिल्म थी जिसमें पहली बार सिनेमास्कोप का इस्तेमाल किया गया था। स्कूल में फिल्म की धांसू सिनेमैटोग्राफी, स्टोरीटेलिंग का अंदाज और गुरु दत्त के निर्देशन की बारीकियों को पढ़ाया जाता है।

खबर संक्षेप

शिक्षक साझा मंच ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

बिलाईगढ़। मां समलाई की पावन धरा बिलाईगढ़ में आयोजित ऐतिहासिक राजशाही दशहरा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सीएम विष्णुदेव साय को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला शिक्षक साझा मंच के प्रतिनिधि मंडल ने कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। लंबित महंगाई भत्ता प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान लंबित डीए देय तिथि से एरियर्स सहित दीपावली पर्व से पूर्व प्रदान किया जाए। विभागीय परीक्षा सेवारत शिक्षकों के लिए विभागीय परीक्षा आयोजन की विस्तृत कार्ययोजना शीघ्र जारी की जाए। कैशलेस चिकित्सा बजट 2026-27 में स्वीकृत कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ अविलंब प्रारंभ किया जाए। हाईकोर्ट आदेश का पालन कुमुदनी साहू विरुद्ध छत्तीसगढ़ शासन में जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू द्वारा पारित आदेश बीते 20 फरवरी का पालन सुनिश्चित कर, प्राथमिक शाला सूतीउरकुली में विधि विरुद्ध कराए गए कार्यभार ग्रहण को निरस्त कर दोषी तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी जोइधाराम डहरिया वर्तमान में अन्य प्रकरण में निलंबित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

स्मार्ट बोर्ड की मरम्मत अतिरिक्त कक्ष पर जोर

रायगढ़। कलेक्टर ने जिले के विद्यालयों में खराब पड़े स्मार्ट बोर्डों की मरम्मत एवं आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। कलेक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए खनन प्रभावित क्षेत्रों में चिन्हांकित विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने विद्यालयों एवं उनके आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा आश्रमों एवं छात्रावासों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

सीएमएचओ ने बिलाईगढ़ और पवनी के स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

मरीजों को न हो किसी तरह की असुविधा ईमानदारी से निभाएं जिम्मेदारी: सीएमएचओ

स्वास्थ्य सुविधाओं एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं का लिया जायजा मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगढ़



सीएमएचओ डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पवनी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. वैष्णव ने मरीजों को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में संचालित सेवाओं की नियमित निगरानी और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार करने को कहा। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके जायसवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. रूपेंद्र कुमार साहू, डॉ. प्रकाश कुर्रे, आयुष्मान सलाहकार रोशन सचदेवा, कार्यक्रम प्रबंधक लकेश्वर सिंह बघेल, अमित कुमार साहू, अविनाश कुमार देवांगन सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के चिकित्सा अधिकारीए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।

मरीजों को मिले हर योजनाओं का लाभ

इस दौरान सीएमएचओ ने वहां के अधिकारियों और कर्मचारियों को मरीजों की सेवा पूरी ईमानदारी के साथ करने का निर्देश दिया। उन्होनें कहा कि मरीजों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। अस्पताल चाहे सरकारी और या प्राइवेट योजनाओं का लाभ दिलाने की जिम्मेदारी विभाग की है।

धूमधाम से मना दशहरा, भगवान श्रीराम की भव्य झांकी के बाद हुआ रावण दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंद्रपुर



माँ चंद्रहासिनी की पावन नगरी चंद्रपुर में 21 अक्टूबर को दशहरा पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य झांकी निकाली गई, जिसने नगरवासियों का मन मोह लिया। शाम 6 बजे बाजे.गाजे के साथ सुसज्जित रथ पर सवार भगवान श्रीराम की झांकी नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मारुति स्टेडियम पहुँची। झांकी के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इसके पश्चात मारुति स्टेडियम में विधि.विधान के साथ विशाल रावण दहन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। रावण दहन के पश्चात मारुति स्टेडियम में रंगारंग डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। प्रतिभागियों की आकर्षक प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21 हजार मथुरा होटल की ओर सेए द्वितीय पुरस्कार 11 हजारी रिया इलेक्ट्रॉनिक्स की ओर से तथा तृतीय पुरस्कार 5,100 अंचल स्टोर की ओर से प्रदान किया गया। इस भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन माँ चंद्रहासिनी मेला समिति चंद्रपुर के नेतृत्व में किया गया।

शरद पूर्णिमा महोत्सव पर घौठला बड़े में 24 और 25 को रामायण का आयोजन

घौठला बड़े। सारंगढ़ के ग्राम घौठला बड़े में इस वर्ष भी पारंपरिक उल्लास के साथ दो दिवसीय सार्वजनिक शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं भव्य रामायण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 24 और 25 अक्टूबर को आश्विन क्वांर शुक्ल पक्ष तेरस तथा पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले इस अनुष्ठान में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की महिमा का गुणगान किया जाएगा। सनातन संस्कृति में शरद पूर्णिमा का पर्व अत्यंत विशेष माना जाता है, जिसका धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक महत्व है शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी संपूर्ण 16 कलाओं से युक्त होता है और ऐसी मान्यता है कि इस रात चंद्र किरणों से अमृत की वर्षा होती है। इसी कारण रात में खुले आसमान के नीचे रखी खीर को अगले दिन अमृत प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता हैए जो स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। इसके साथ ही यह पावन तिथि धनए वैभव और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी के आगमन का पर्व भी मानी जाती है। इस दो दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव में 24 और 25 को प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से सुप्रसिद्ध मानस कलाकारों द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों, आदर्शों और भक्ति रस से भरपूर भव्य रामायण कथा का संगीतमय मंचन किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक परंपरा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 25 अक्टूबर रविवार रात्रि को नाटक.नाच मंडलियों के लिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा।

सरसींवा में मां दुर्गा प्रतिमा को नम आंखों से दी गई विदाई, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरसींवा



बुधवार को शक्ति की आराधना के महापर्व के अवसर पर क्षेत्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और नम आंखों के साथ किया गया। नौ दिनों तक चले अनुष्ठान और माता के जयकारों के बाद जब विसर्जन का समय आया, तो पूरा वातावरण भावुक हो उठा। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गाजे बाजे और पारंपरिक ढोल.ताशों के साथ विसर्जन स्थल की सरसीवा में मां दुर्गा प्रतिमा को नम आंखों से किया विसर्जन, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ सरसीवा बुधवार को शक्ति की आराधना के महापर्व के अवसर पर क्षेत्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और नम आंखों के साथ किया गया। नौ दिनों तक चले अनुष्ठान और माता के जयकारों के बाद जब विसर्जन का समय आयाए तो पूरा वातावरण भावुक हो उठा। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गाजे बाजे और पारंपरिक ढोल.ताशों के साथ विसर्जन स्थल की ओर ले जाया गया। इस दौरान मां जाते जाते तुझको यह प्रणाम, अगले बरस जल्दी आना जैसे गीतों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं नें नम आंखों से माता को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से आने की प्रार्थना की। सरसीवा में संपन्न हुए इस विसर्जन समारोह ने एक बार फिर आपसी भाईचारे और धार्मिक सौहार्द की मिसाल पेश की। सभी वर्गों के लोगों ने बढ़.चढ़कर इस धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया। विसर्जन के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।



